Part – A Introduction				
Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुषिरवाद्य				
1	Course Code	A1- MVAD1T		
2	Course Title	भारतीय संगीत के सिद्धांत - 1		
3	Course Type	कोर कोर्स		
4	Prerequisite	1) कक्षा 12वीं में कई बच्चे संगीत विषय लेकर पास होते हैं वह यह कोर विषय के रूप में चुन सकते हैं।		
		2) यह विषय सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स के रूप में भी लिया जा सकता है।		
5	Course Learning outcomes	1) विद्यार्थी इसे अपनी जीविका का साधन बना सकता है		
		2) दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये अत्यंत उपयोगी हो सकता है।		
		3) विद्यार्थी भारतीय संगीत के महत्व को समझ सकता है।		
6	Credit Value	सैद्धांतिक (लिखित) – 2 Credit		
7	**Total Marks**	**Max marks 25+75**	**Min Passing Marks : 33**	

RJain 30/5/2021

(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year **Total Lectures : 30 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	यूनिट का नाम – भारतीय संगीत की विरासत	6
	1) संगीत का अर्थ एवं परिभाषा एवं विशेषतायें	
	2) संगीत एवं दर्शन	
	3) संगीत की उत्पत्ति संबंधी अवधारणायें या मत	
2	यूनिट का नाम – संगीत एवं ललित कला	6
	1) संगीत की तीनों विधाओं का परिचय संगीत का ललित कला में स्थान	
	2) वादन का संगीत में महत्व	
	3) अपने वाद्य की (सितार, वायलिन, बांसुरी जो भी हो) सम्पूर्ण जानकारी	
3	यूनिट का नाम – संगीत की पारिभाषिक शब्दावली	6
	1) नाद, व उसकी विशेषतायें एवं प्रकार	
	2) स्वर, की परिभाषा उसके प्रकार कोमल विकृत	
	3) वादन से संबंधित शब्दावली तोड़ा झाला, मीड़, कृतन, जमजमा, घसीट, सूत, गज	
4	यूनिट का नाम – राग एवं ताल अध्याय	6
	1) राग व ठाठ का परिचय भारतीय संगीत के 10 ठाठ	
	2) राग से संबंधित शब्दावली अलंकार (रागों मे) एवं वर्ण वादी, संवादी, अनुवादी विवादी	
	3) ताल का परिचय एवं महत्व दादरा कहरवा रूपक, तीनताल के साधारण ठेके व दुगन का ज्ञान	
5	यूनिट का नाम – भारतीय संगीतज्ञ और उनका योगदान एवं राग परिचय	6
	1) विष्णु नारायण भातखण्डे, विष्णु दिगम्बर पलूस्कर तानसेन का जीवन परिचय व सांगीतिक योगदान	
	2) विष्णु दिगम्बर व विष्णु नारायण जी की स्वर लिपियों का ज्ञान	
	3) यमन भूपाली, विलावल काफी रागों का शास्त्रीय परिचय	

Jain
(डॉ० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
1	संगीत बोध	लेखक – डॉ. शरतचंद्र परांजपे प्रकाशक – हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
2	प्राचीन भारत में संगीत	लेखक – डॉ; धर्मावती श्रीवास्तव प्रकाशक – भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी
3	संगीत निबंध माला	लेखक – पं. जगदीश नारायण पाठक प्रकाशक – पाठक पब्लिकेशन इलाहाबाद
4	संगीत निन्धावली	लेखक- डॉ.टी.आर. शुक्ल् प्रकाशक – प्रकाश बुक डिपो बरेली
5	उत्तर भारतीय संगीत	लेखक- डॉ. गुरमीत सिंह माकन प्रकाशक – महामाया पब्लिकेशन नई दिल्ली
6	संगीत विशारद	लेखक – बसंत प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस

- Suggested Digital Plateform Wabe Link :-
  - https://www.indian-instruments.com/
  - https://indianculture.gov.in/indian-music-and-philosophy
  - https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Narayan_Bhatkhande
  - https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Digambar_Paluskar

Jain
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		2 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन: सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट	10 marks	
	असाइनमेंट/प्रस्तुति/प्रश्नोत्तरी	10 marks	
	सेमिनार/ अन्य	05 marks	
	कुल	25 marks	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	भाग 1: पांच अतिलघु उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 50 शब्द)**	3×5 = 15	
	भाग 2: पांच लघु उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 200 शब्द)**	5×5= 25	
	भाग 3: पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 500 शब्द)**	7×5= 35	
	कुल	75 marks	

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course	Class – B.A. 1st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject - Indian Music (Vadan) Tantra and Sushirvadhya			
1	Course code	A1-MVAD1T	
2	Course title	Principles of Indian Music - 1	
3	Course type	core course	
4	Prerequisite	1) Students who have passed 12th with music subject can take this as the core subject . 2) This subject can be taken as certicate or diploma course.	
5	Course learning outcomes	1) After completion of course student can opt it as means of living. 2) can be very useful for students with disabilities 3) The student can understand the importance of Indian music.	
6	Credit Value	Theoretical (Written) - 2 Credit	
7	**Total Marks**	**Max marks 25+75**	**Min Passing Marks : 33**

RJain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures - Tutorial - Practical: 30 Lectures in a year **Total Lectures: 30 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	**Unit Name - Heritage of Indian Music**	6
	1) Defination, meaning and characteristics of music	
	2) Music and Philosophy	
	3) Different Concepts of music Origin.	
2	**Unit Name - Music and Fine Arts**	6
	1) Introduction to all the three genres of music Music has a place in the fine arts	
	2) Importance of playing music	
	3) Complete knowledge of your instrument (sitar, violin, flute whatever)	
3	**Unit Name – Terminology of music**	6
	1) Naad, and its characteristics and types	
	2) Definition of "Swar" and their types	
	3) Related terminology – Toda , jhala, meed, Kratan, ghaseet, soot, gaj	
4	**Unit Name - Raga and Taal Chapter**	6
	1) Introduction or raag and Thaat. Describe 10 Thaat of Hindustani Music	
	2) Raga related words - varna, alankar, vaadi, samvaadi, anuvadi, vivadi	
	3) Introduction and importance of Taal Dadra Kaharwa Rupak, knowledge of simple Theka and dugan of three talas	
5	**Unit Name - Indian Musician and their contribution and raga introduction**	6
	1) Vishnu Narayan Bhatakhande, Vishnu Digambar Paluskar Tansen	
	2) Knowledge of swar lipi (Scripts) of Vishnu Digambar and Vishnu Narayan ji	
	3) The classical introduction of following raags - Yaman, Bhupali and Bilaval	

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
1	Sangeet Bodh	Author - Dr . Sharatchandra Paranjpe Publisher - Hindi Granth Academy Bhopal
2	Pracheen Bharat Mein Sangeet	Author - Dr ; Dharmavati Srivastava Publisher - Bhartiya Vidya Prakashan Varanasi
3	Sangeet Nibandh Mala	Author - Pt . Jagdish Narayan Pathak Publisher - Pathak Publication Allahabad
4	Sangeet Nibandhawali	Author – Dr. T.R. Shukl Publisher - Prakash Book Depot Bareilly
5	Uttar Bhartiya Sangeet	Author Dr . Gurmeet Singh Maken Publisher - Mahamaya Publications New Delhi
6	Sangeet Visharad	Author - Basant Publisher – Sangeet Karyalay, Hathras

- **Suggested Digital Platform Web Link :-**
  - https://www.indian-instruments.com/
  - https://indianculture.gov.in/indian-music-and-philosophy
  - https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Narayan_Bhatkhande
  - https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Digambar_Paluskar

RJain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)			
Maximum Marks:		100	
Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		2 Hours	
Internel Assessment : **Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)**	**Class Test**	10 marks	
	Assignment/Presentation/Quize	10 marks	
	Seminar/Others	05 marks	
	Total	25 marks	
External Assessment University Exams (UE)	**Section A: Five very short Question (50 Words Each)**	3×5 = 15	
	Section B: Five Short Question (200 Words Each)	5×5= 25	
	Section C: Five Long Question (500 Words Each)	7×5= 35	
	Total	75 marks	

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part A Introduction				
Programe: Certificate Course		**Class: B.A. 1st Year**	**Year: 2021**	**Session : 2020-21**
Subject : भारतीय संगीत वादन (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)				
1	Course code	**A1-MVAD1P**		
2	Course Title	क्रियात्मक संगीत प्रायोगिक - 1		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	कोर कोर्स		
4	Pre-requisite(if any)	1) 12वीं संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण हुये विद्यार्थी कोर विषय के रूप में इसे ले सकते हैं। 2) स्नातक स्तर पर एक मुख्य विषय के रूप में चयन कर सकते हैं।		
5	Course Learning out omes (CLO)	1) यह विषय लेकर पढ़ने वाला विद्यार्थी जीविकोपार्जन अपने विषय के अध्ययन से कर सकता है। 2) भारतीय संगीत की विशेषताएं एवं महत्व को जान सकता है। 3) मनुष्य जीवन में संगीत बजाने से रचनात्मक सोच बढ़ती है।		
6	Credit Value	प्रायोगिक : 4 Credit		
7	**Total Marks**	**Max Mrks:25+75**	**Min. Passing Marks: 33**	

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year **Total Practical Hours : 60 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	राग यमन का पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (मसीतखानी गत राग यमन में) तीन ताल का पूर्ण परिचय	12
2	राग विलावल का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतों का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास, (मसीतखानी गत राग विलावल में) दादरा ताल का पूर्ण परिचय	12
3	राग भूपाली का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी, वादनसमय व गतों का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना कहरवा ताल का पूर्ण परिचय	12
4	राग काफी का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति, वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना तालों की दुगुन लिखने का अभ्यास (रजाखानी गत राग काफी में)	12
5	भैरवी राग का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व बजाना तालों का हाथ पर प्रदर्शन (रजाखानी गत राग भैरवी में)	12

Jain
30-5-2021
(डॉ राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)		
1	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
2	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
6	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद

- **Suggested Digital Plateform Wabe Link**
  - https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf
  - https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
  - https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
अधिकतम अंक :	100		
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	25		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :	75		
समय :	1 घंटे		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE	असाइंमेन्ट	10 marks	
	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेन्टेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	**25 Marks**	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	**I.** वायवा वॉयस	20 marks	
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने वाद्य पर (एक मसीतखानी एक रजाखानी गत अलाप, तोड़े सहित)	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	**75 marks**	

RJain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part A Introduction			
Programe: Certificate Course	**Class: B.A. 1st Year**	**Year: 2021**	**Session : 2020-21**
Subject: Indian music playing (tantra and Sushir Vadhya)			

1	Course code	A1-MVAD1P	
2	Course Title	Kriyatmak Sangeet Practical – 1	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	Core course	
4	Pre-requisite (if any)	1) Students who have passed 12th with Music subject can take it as a core subject. 2) Graduate level student can select it as a main subject.	
5	Course Learning out omes (CLO)	1) After completion of course student can earn their living through it. 2) Can know the characteristics and importance of Indian music. 3) Playing music enhances creative thinking in human life.	
6	Credit Value	Experimental: 4 Credit	
7	**Total Marks**	**Max Mrks:25+75**	**Min. Passing Marks: 33**

RJain
३०-५-२०२१
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year **Total Practical Hours : 60 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	Full introduction of Raga Yaman – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in raga yaman). Full introduction of teentaal.	12
2	Full introduction of Raga Bilaval – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Bilaval). Full introduction of dadrataal.	12
3	Full introduction of Raga Bhupali – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. Full introduction of kahrwa taal.	12
4	Full introduction of Raga Kafi – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Kafi). Dugun writing practice of taal.	12
5	Full introduction of Raga Bhairavi – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Bhairavi). Showing taal on your hands.	12

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Instrument)		
1	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
2	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
3	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
4	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
5	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

- **Suggested Digital Platform Web Link**
  - https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf
  - https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
  - https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
Maximum Marks:		100	
Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		1 Hours	
Internel Assessment : **Countinuos Comprehensive Evaluation (CCE)**	**Assignment**	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	**25 Marks**	
External Assessment University Exams (UE)	**1. Viva Voice**	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your Instrument (one Masitkhani, one rajakhani gat, alap, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	**75 marks**	

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction				
Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुषिरवाद्य				
1	Course Code	A1-MVAD2T		
2	Course Title	भारतीय संगीत के सिद्धांत - 2		
3	Course Type	कोर कोर्स		
4	Prerequisite	1) कक्षा 12वीं में संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण विद्यार्थी यह विषय ले सकता है।		
		2) B.A. में अपनी रूचि के अनुसार भी यह विषय का चयन कर सकता है।		
5	Course Learning outcomes	1) इस कोर्स में विद्यार्थी ध्वनि व संगीत के संबंध को समझ सकता है।		
		2) भारतीय संगीत के इतिहास को समझ सकता है।		
		3) ताल व लय के महत्व को समझ सकता है।		
		4) संगीत विषय का संबंध जीवन में किन-किन पहलुओं से है यह समझ सकता है।		
6	Credit Value	सैद्धांतिक (लिखित) – 2 Credit		
7	**Total Marks**	**Max marks 25+75**	**Min Passing Marks : 33**	

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year **Total Lectures : 30 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	यूनिट का नाम – संगीत एवं ध्वनि संबंध	6
	1) ध्वनि की परिभाषा संगीत व ध्वनि से संबंधित शब्दावली जैसे सांगीतिक ध्वनि असांगीतिक ध्वनि, आन्दोलन, कम्पन, दोलन, आयाम, तरंग की परिभाषा	
	2) अपने वाद्य का चित्र वर्णन व मिलाने की विधि	
2	यूनिट का नाम – लय व गत प्रकरण	6
	1) लय की परिभाषा एवं प्रकार	
	2) गत की परिभाषा एवं प्रकार	
	3) ताल से संबंधित शब्दावली ठेका, आवर्तन सम, मात्रा, विभाग, ताली खाली, तिहाई आदि	
3	यूनिट का नाम – राग वर्णन एवं गायन शैलियाँ	6
	1) भैरव, दुर्गा, खमाज, विहाग रागों का परिचय एवं वादन	
	2) गीत की शैलियाँ, सरगमगीत, लक्षणगीत, ख्याल, भजन, चतुरंग	
	3) गायकों एव वादकों के गुण दोष	
4	यूनिट का नाम – भारतीय संगीत का विभिन्न कालों में अध्ययन	6
	1) प्राचीन व वैदिक कालीन संगीत	
	2) मध्य काल 1200 सदी एवं मुगल काल 1600 ई.से	
	3) आधुनिक काल में संगीत 1700 ई. से आजतक	
5	यूनिट का नाम – संगीत एवं निबंध	6
	1) संगीत और जीवन, संगीत व आत्मीय सुख,	
	2) संगीत एवं भक्ति संगीत एवं अभ्यास	
	3) लोक संगीत व शास्त्रीय संगीत का संबंध	

Rajiv
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
1	संगीत बोध	लेखक – डॉ. शरतचंद्र परांजपे प्रकाशक – हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
2	प्राचीन भारत में संगीत	लेखक – डॉ; धर्मावती श्रीवास्तव प्रकाशक – भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी
3	संगीत निबंध माला	लेखक – पं. जगदीश नारायण पाठक प्रकाशक – पाठक पब्लिकेशन इलाहाबाद
4	संगीत निन्धावली	लेखक - डॉ.टी.आर. शुक्ल् प्रकाशक – प्रकाश बुक डिपो बरेली
5	उत्तर भारतीय संगीत	लेखक- डॉ. गुरमीत सिंह माकन प्रकाशक – महामाया पब्लिकेशन नई दिल्ली
6	संगीत विशारद	लेखक – बसंत प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस

- **Suggested Digital Plateform Wabe Link :-**
  - https://www.britannica.com/science/musical-sound
  - https://akkarai.in/violin/index.html
  - http://ijrar.com/upload_issue/ijrar_issue_20543773.pdf
  - https://www.india-instruments.com/encyclopedia-sarod.html
  - https://riyazapp.com/singing-courses/practice-swaras/

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		2 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन: सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट	10 marks	
	असाइनमेंट/प्रस्तुति/प्रश्नोत्तरी	10 marks	
	सेमिनार/ अन्य	05 marks	
	कुल	25 marks	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	भाग 1: पांच अतिलघु उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 50 शब्द)**	3×5 = 15	
	भाग 2: पांच लघु उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 200 शब्द)**	5×5= 25	
	भाग 3: पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक 500 शब्द)**	7×5= 35	
	कुल	75 marks	

Jain

(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction				
Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject - Indian Music (Recitation) Tantra and Susheer Vadhya				
1	Course Code	A1-MVAD2T		
2	Course Title	Principles of Indian Music - 2		
3	Course Type	Core course		
4	Prerequisite	1) A student who passed the music subject in class XII can take this subject.		
		2) According to his interest in BA , he can also choose the subject.		
5	Course Learning outcomes	1) In this course the student can know the relation of sound and music.		
		2) Can know the history of Indian music.		
		3) Can understand the importance of 'Laya' and 'Taal'		
		4) You can know what aspects of music are related to life.		
6	Credit Value	Theoretical (Written) - 2 Credit		
7	**Total Marks**	**Max marks 25+75**	**Min Passing Marks : 33**	

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures - Tutorial - Practical: 30 Lectures in a year **Total Lectures: 30 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	**Unit Name – Music & Sound Relations**	6
	1) Definition of sound – Musical and Non-musical sound – Andolan, kampann (Vibration), Oscillation , Amplitude, definition of waves	
	2) Picture description of your instrument and method of Tuning of your instrument	
2	**Unit Name – Laya and Gat**	6
	1) Definition and type of Laya	
	2) Definition and types of Gat	
	3) Words related to Laya, theka, avartan, sam matara, vibhag, taali, khali, tihaai etc.	
3	**Unit Name - Raga Descriptions and Singing Styles**	6
	1) Introduction and playing of Bhairav, Durga, Khamaj, Vihaaga Ragas	
	2) Geet Shailiyan, sargamgeet, Lakshngeet, Khayal, Bhajan, Chaturang	
	3) Properties and defects of singers and players	
4	**Unit Name - Study of Indian music in various periods**	6
	1) Ancient and Vedic period music	
	2) Medieval period 1200 century and Mughal period from 1600 AD	
	3) Music in modern period from 1700 AD till date	
5	**Unit Name - Music and Essay**	6
	1) Music and life, music and soul pleasures,	
	2) Music and devotional (sangeet aur Bhakti) music and practice (sangeet aur abhyas)	
	3) Relation of folk music (Lok sangeet) and classical music	

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
1	Sangeet Bodh	Author - Dr . Sharatchandra Paranjpe Publisher - Hindi Granth Academy Bhopal
2	Pracheen Bharat Mein Sangeet	Author - Dr ; Dharmavati Srivastava Publisher - Bhartiya Vidya Prakashan Varanasi
3	Sangeet Nibandh Mala	Author - Pt . Jagdish Narayan Pathak Publisher - Pathak Publication Allahabad
4	Sangeet Nibandhawali	Author – Dr. T.R. Shukl Publisher - Prakash Book Depot Bareilly
5	Uttar Bhartiya Sangeet	Author Dr . Gurmeet Singh Maken Publisher - Mahamaya Publications New Delhi
6	Sangeet Visharad	Author - Basant Publisher – Sangeet Karyalay, Hathras

- **Suggested Digital Plateform Web Link :-**
  - https://www.britannica.com/science/musical-sound
  - https://akkarai.in/violin/index.html
  - http://ijrar.com/upload_issue/ijrar_issue_20543773.pdf
  - https://www.india-instruments.com/encyclopedia-sarod.html
  - https://riyazapp.com/singing-courses/practice-swaras/

Jain
३०-५-२०२१
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)			
Maximum Marks:		100	
Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		2 Hours	
Internel Assessment : **Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)**	**Class Test**	10 marks	
	Assignment/Presentation/Quize	10 marks	
	Seminar/Others	05 marks	
	Total	25 marks	
External Assessment University Exams (UE)	**Section A: Five very short Question (50 Words Each)**	3×5 = 15	
	Section B: Five Short Question (200 Words Each)	5×5= 25	
	Section C: Five Long Question (500 Words Each)	7×5= 35	
	Total	75 marks	

Rain
30-5-2021
(डॉ० राजीव जैन)

Part A Introduction				
Programe: Certificate Course		**Class: B.A. 1st Year**	**Year: 2021**	**Session : 2020-21**
Subject : भारतीय संगीत वादन (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)				
1	Course code	**A1-MVAD2P**		
2	Course Title	क्रियात्मक संगीत प्रायोगिक - **2**		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	कोर कोर्स		
4	Pre-requisite(if any)	1) 12वीं संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण हुये विद्यार्थी कोर विषय के रूप में इसे ले सकते हैं। 2) स्नातक स्तर पर एक मुख्य विषय के रूप में चयन कर सकते हैं।		
5	Course Learning out omes (CLO)	1) यह विषय लेकर पढ़ने वाला विद्यार्थी जीविकोपार्जन अपने विषय के अध्ययन से कर सकता है। 2) भारतीय संगीत की विशेषताएं एवं महत्व को जान सकता है। 3) मनुष्य जीवन में संगीत बजाने से रचनात्मक सोच बढ़ती है।		
6	Credit Value	प्रायोगिक 4 Credit		
7	**Total Marks**	**Max Mrks : 25+75**	**Min. Passing Marks : 33**	

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year **Total Practical Hours : 60 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	राग भैरव का पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वाद्य समय व गतो को ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (एक मसीतखानी गत राग भैरव में) तीन ताल का पूर्ण परिचय	12
2	राग दुर्गा का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वाद्य समय व गानो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (एक मसीतखानी गत राग दुर्गा में) दादरा ताल का पूर्ण परिचय	12
3	राग खमाज का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी, वाद्य समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना (एक रजाखानी गत राग खमाज में) कहरवा ताल का पूर्ण परिचय	12
4	राग विहाग का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति, वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना (एक रजाखानी गत राग विहाग में) तालों को लिखने का अभ्यास	12
5	राग देश का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय की जानकारी एवं आरोह अवरोह पकड़ बजाना तालों का हाथ पर प्रदर्शन	12

Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)		
1	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
2	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
6	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद

- **Suggested Digital Plateform Web Link**
  - https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf
  - https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
  - https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard

RJain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Practical)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		1 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन: सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE	असाइंमेन्ट	10 marks	
	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेन्टेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	**25 Marks**	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	**I.** वायवा वॉयस	20 marks	
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने वाद्य पर (एक मसीतखान एक रजाखानी गत अलाप, तोड़े सहित)	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	**75 marks**	

Rain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part A Introduction			
Programe: Certificate Course	Class: B.A. 1st Year	Year: 2021	Session : 2020-21
Subject: Indian music playing (tantra and Sushir Vadhya)			
1	Course code	A1-MVAD2P	
2	Course Title	Kriyatmak Sangeet Practical – 2	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	Core course	
4	Pre-requisite(if any)	1) Students who have passed 12th with Music subject can take it as a core subject. 2) Graduate level student can select it as a main subject.	
5	Course Learning out omes (CLO)	1) After completion of course student can earn their living through it. 2) Can know the characteristics and importance of Indian music. 3) Playing music enhances creative thinking in human life.	
6	Credit Value	Experimental 4 Credit	
7	**Total Marks**	**Max Mrks : 25+75**	**Min. Passing Marks : 33**

Part – B – Content Of The Course		
Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year **Total Practical Hours : 60 Hours**		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
1	Full introduction of Raga Bhairav – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Bhairav). Full introduction of teentaal.	12
2	Full introduction of Raga Durga – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Durga). Full introduction of dadrataal.	12
3	Full introduction of Raga Khamaj – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Khamaj). Full introduction of kahrwa taal.	12
4	Full introduction of Raga Bihag– aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Bihag). Dugun writing practice of taal.	12
5	Full introduction of Raga Desh– aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and playing aaroh, avroh, pakad on your instrument.	12

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Vadhya)		
1	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
2	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
3	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
4	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
5	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

- **Suggested Digital Plateform Web Link**
  - https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf
  - https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
  - https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
Maximum Marks:		100	
Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		1 Hours	
Internel Assessment : **Countinuos Comprehensive Evaluation (CCE)**	**Assignment**	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	**25 Marks**	
External Assessment University Exams (UE)	**1. Viva Voice**	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your Instrument (one Masitkhani, one rajakhani gat, alap, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	**75 marks**	